खबर संक्षेप

भक्तिभाव से जवारों का किया गया विसर्जन

ढीमरखेड़ा। बैसाख मास की नवरात्रि में बोए गए जवारें पोंडी कला बी गांव में भक्ति भाव के साथ विसर्जित किए गए। यहाँ मातारानी की मढ़यिा में नवरात्रि के पहले दिन जवारें बोए गए थे। 9 दिनों तक मातारानी की भक्ति के बाद देरशाम मढ़यिा से जवारों का चल समारोह शुरू हुआ। माताएं और युवतियां सिर पर कलश लेकर चलती रही। खप्पर लिए काली माता नृत्य करते हुए चल रही थी। मुख्य बाजार में जवारें इकट्ठे हुए। जहा पर पंडा पुजारियों ने भाव खेला। मातारानी को नारियल भेंट दी।इसके बाद स्थानीय तालाब में जवारों का विसर्जन किया गया।बैसाख महीने की नवरात्र पर मंदिरों और देवालयों में बोए गए जवारें अधिकतर गांवों में नवमीं तिथि पर ही विसर्जित किये गए। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ रही।हालांकि उमरियापान सहित कई गांवों में पूर्णिमा तिथि पर जवारों का विसर्जन किया जाएगा।

द इंटरनेशनल स्कूल ऑफ दिव्यांगजन में निःशुल्क प्रवेश शुरू

कटनी। सामाजिक न्याय विभाग से अनुदान प्राप्त तथा राजीव कुमार समाज कल्याण ग्राम विकास शोध संस्थान द्वारा झिंझरी में दिव्यांगजनों हेतु कटनी जिले का एकमात्र संचालित विद्यालय द इंटरनेशनल स्कूल ऑफ दिव्यांगजन में कक्षा के.जी से 12वीं तक के बच्चों हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ है। विद्यालय में दृष्टिगबाधित दिव्यांग, अल्प दृष्टिबाधित दिव्यांग, मानसिक दिव्यांग, सेरेब्रल पाल्सी दिव्यांग, आटिज्म दिव्यांग,श्रवणबाधित डेफ दिव्यांग, मूक बधिर, अस्तिबाधित दिव्यांग सहित बहु दिव्यांग्रस्त दिव्यांगजनों के शिक्षण एवं प्रशिक्षण की सर्वश्रेष्ठ सुविधा के साथ ही संगीत शिक्षा, ब्रेल लिपि, साईन लैंगवेज एवं देवनागरी की विशेष सुविधा उपलब्ध है। लर्निंग डिसेबिलिटी से ग्रस्त, तुतलाना, हकलाना, पढ़ना - लिखना, सुनने बोलने व समझने में समस्या के ग्रसित होने पर भी स्कूल प्रबंधन से संपर्क किया जा सकता है।

जल्दबाजी के चक्कर में जान जाते जाते बची

कटनी। मुड़वरा रेलवे स्टेशन में एक यात्री की जान जाते जाते बची। दरअसल यात्री चलती ट्रेन में दौड़ कर चढ़ने का प्रयास कर रहा था तभी उसका पैर फिसल गया और व प्लेटफार्म के नीचे चला गया। घटना के बाद उसे सिविल अस्पताल ले जाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार ट्रेन नंबर 11450 वैष्णों माता कटरा से जबलपुर की ओर आने वाली एक्सप्रेस गाड़ी मुड़वारा स्टेशन के प्लेट फार्म नंबर पांच पर सुबह 9 बजकर 10 मिनिट पर आई थी। गांड़ी छूटने के बाद चलती गाड़ी में भट्टा मोहल्ला निवासी यात्री नारायण पटेल ने चढ़ने का प्रयास किया लेकिन उसका पैर फिसलकर प्लेट फार्म में नीचे चला गया। इसी दौरान यहां पर आरपीएफ सब इंस्पेक्टर ज्ञानेंद्र गौतम खड़े थे। वह दौड़कर यात्री की तरफ भागे और उसकी गर्दन पकड़ ली। आनन-फानन में ट्रेन रुकवाई गई। इसके बाद यात्री को सुरक्षित ऊपर लाया गया और उसकी जान बच पाई।

खदान के विरोध में सीएम को भेजे जा रहे पोस्ट कार्ड

कटनी। माधवनगर जागृति पार्क के पास खनिज की खदान स्वीकृत किए जाने को लेकर विरोध शुरू हो गया है। पार्षद मौसूफ बिट्टू व प्रियंका बिट्टू पर्यावरण प्रेमियों और आम लोगों के साथ मिलकर पोस्ट कार्ड अभियान शुरू कर दिया गया है। पोस्टकार्ड में खदान को अनुमति देने का विरोध कर उसे मुख्यमंत्री को भेजा जा रहा है। दोनों ही पार्षद लोगों से मुलाकात कर पोस्टकार्ड लिखवाया जा रहा है। जिसके बाद पोस्टकार्ड सीएम को भेजा जाएगा।

कनौर, बिचपुरा, ददरा, बड़ागांव के क्रेशर प्लांट कर रहे पर्यावरण को प्रदूषित

नियमों का नहीं हो रहा पालन, ग्रामीणों की शिकायतों को कर रहे दरकिनार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरही

बरही तहसील अंतर्गत ग्राम कनौर और बिचपुरा के ददरा बड़ागांव में दशकों से क्रेशर प्लांट एवं खदानें चल रही है। इन प्लांटों एवं खदानों में पर्यावरण के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। अत्याधिक डस्ट से क्षेत्र की हवा प्रदूषित हो रही है जिसका असर ग्रामीणों के स्वास्थ्य एवं खेती किसानी पर पड़ रहा है। कनौर एवं बिचपुरा के ग्रामीणों ने बताया है कि धूल डस्ट से ग्रामवासी प्रदूषित हवा में सांस लेने मजबूर हैं वहीं पेयजल में अवयव घुलने से समस्या से बढ़ती जा रही है। संचालकों की रसूकदारों से सांठगांठ होने के कारण शिकायतों की भ्ज्ञी अनदेखी की जा रही है।

पर्यावरण को लेकर शासन प्रशासन भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। नियमों के अनुसार धूल और डस्ट से बचाव के लिए पेड़ पौधे लगाने तथा पानी का छिड़काव भी कराया जाना चाहिए लेकिन न ही पानी की सिंचाई करते न ही पेड़ पौधे लगाते न ही क्रेशर के चारों ओर ऊंची ऊंची दीवाल भी नहीं बनवाई गई सारे नियमों को ताक मे रख क्रेशर संचालित कर रहे हैं। अत्याधिक मात्रा में डस्ट उड़ने से लोग दमा ,खांसी ,टीबी जैसी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं।

खदानों कामें होने वाले हैवी ब्लास्टिंग से ग्रामीण डरे एवं सहमें हुए हैं। रहवासी क्षेत्र में हैवी ब्लास्टिंग नहीं होना चाहिए ऐसा एक जानकार का कहना है। ग्रामीणों का तो यहां तक कहना है कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ सांठगांठ करके संचालक एन. ओ .सी ले लेते हैं और खामियाजा गांव के गरीबों को उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया है कि ब्लास्टिंग से घरों में दरारें पड़ रही है अगर ऐसा चलता रहा तो एक दिन समय आएगा कि हमारे घर बरसात में जमीदोज हो जाएंगे शासन प्रशासन हैवी ब्लास्टिंग तुरंत बंद करवाएं। खदानों में हैवी प्लास्टिक जिससे पास में ही लगा जंगल जो बफर जोन में आता है लगभग डेढ़ किलोमीटर में जंगल लगा है जिससे वन्य प्राणी रात्रि में विचरण करते हैं खुली खदान होने से वन्य प्राणियों को खतरा बना रहता है।

लोगों ने आरोप लगाया है वन विभाग द्वारा इस ओर या तो ध्यान नहीं दिया जा रहा या उन्हें मालूम नहीं है वीड गार्ड के द्वारा वन परिक्षेत्र अधिकारी को अवगत नहीं कराया गया जो लापरवाही में आता है

हैवी ब्लास्टिंग से कभी भी हादसे हो सकते हैं। ब्लास्टिंग से आसपास के क्षेत्र में कंपन होता है। वनीय क्षेत्र सटे होने से वन्य प्राणी का जीवन खतरे में बना रहता है।

किसानों ने सीधा आरोप लगाया है कि हमारी उपजाऊ भूमि बंजर होती चली जा रही है इतना डस्ट दिनभर एक के बाद एक जमती चली जा रही है जिससे फसल तो चौपट होती ही है जमीन पूरी बंजर होती चली जा रही है।

साइबर अपराध से बचने विद्यार्थियों को दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ ढीमरखेड़ा

स्वयं जागरूक रहकर दूसरों को भी सचेत रहने किया प्रेरित

साइबर अपराध को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करौंदी स्थित महर्षि विश्वविद्यालय में किया गया।

उमरियापान थाना प्रभारी सिद्धार्थ राय ने बताया कि साइबर अपराध और महिला संबंधी अपराधों के संबंध में जानकारी देते हुए स्वयं जागरूक रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की जानकारी दी। थाना प्रभारी ने कहा कि साइबर अपराध में मोबाईल की ओटीपी व अन्य माध्यम के जरिए होने वाले बैंक के लेन-देन के फ्राड से बचें।उन्होंने कहा कि किसी को भी मोबाइल से ओटीपी एवं आधार कार्ड का नंबर न बताएं ऐसा कोई व्यक्ति पूछता है तो तुरंत इसकी सूचना सम्बंधित बैंक एवं नजदीकी पुलिस थाना में पहुँचकर दें।

इनकी भी दी जानकारी

इसके अलावा थाना प्रभारी ने नाबालिग व बालिगों के लापता होने के मामले, सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली क्षति के संबध और महिला संबंधी अपराधों के संबंध में जानकारी दी।इस मौके पर विश्वविद्यालय के शिक्षक छात्र छात्राओं के अलावा अन्य लोगों की उपस्थिति रही है।

खानपान में बरतें संयम, शीतल पेयों का करें उपयोग

मौसम में आये दिन हो रहे परिवर्तन से सर्दी-खांसी व बुखार के बढ़ रहे मरीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बीते कुछ दिनों से मौसम में कहीं नमीं तो कहीं तेज गर्मी की वजह से सर्दी-जुकाम व बुखार के मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। सरकारी से लेकर निजी अस्पताल की ओपीडी में हर रोज बड़ी संख्या में बुखार, सर्दी, जुकाम से ग्रस्त मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।

गौरतलब है कि करीब पांच दिन पहले बादल छा जाने के बाद आंधी तूफान और बारिश से मौसम में थोड़ी ठंडक आ गई थी लेकिन मौसम साफ होने के बाद एक बार फिर तेज गर्मी से संतुलन बिगड़ गया है जिससे बच्चों से लेकर बड़ों तक को सर्दी खांसी व बुखार के साथ्ज्ञ टाइफाइड की भी शिकायतें सामने आ रही हैं। सुबह व शाम के समय से ज्यादा दोपहर में गर्मी अधिक सता रही है। दूसरी ओर बीच बीच में बिजली की अघोषित कटौती से भी लोग परेशान हो रहे हैं।

मौसम के बदलते मिजाज ने अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ा दी है। सरकारी के साथ निजी अस्पतालों में इलाज कराने वालों की भीड़ देखी जा सकती है। इनमें बच्चों की संख्या अधिक देखने को मिल रही है। इस समय वायरल, सर्दी-जुकाम, खांसी के मरीज आ रहे हैं। डॉक्टर मरीज बढ़ने का मुख्य कारण मौसम में हो रहे परिवर्तन को मान रहे हैं। साथ ही दूषित भोजन व पानी का सेवन बीमारियों को बढ़ावा दे रहा है।

खानपान रखें संयमित

चिकित्सकों का कहना है कि इस समय मौसम के बदलाव के कारण मरीजों की संख्या बढ़ी है। इसमें सबसे ज्यादा मरीज उल्टी दस्त व खांसी के आ रहे हैं।बीमार होने का मुख्य कारण मौसम का परिवर्तन होना है। मौसम परिवर्तन की वजह से बुखार, सर्दी, जुकाम-खांसी के साथ टाइफाइड के मरीज भारी संख्या में पहुंच रहे हैं। खानपान और रहन-सहन पर ध्यान दिया जाए तो मौसमी बीमारियों के प्रकोप से बचा जा सकता है। बुखार से बचने के लिए मच्छरों से बचे और घर और आसपास सफाई रखें, जिससे मच्छर न पनपें। इसके अलावा धूप में सीधे नहीं जाये, बाहर से आकर एकदम ठंडी हवा व पानी का सेवन न करें।

बच्चों का रखें विशेष ध्यान

डाक्टरों का कहना है कि दिन में तो मौसम गर्म होता है, इससे बच्चों का ध्यान रखना चाहिए। दोपहर के समय तेज धूप में नहीं खेलने दें, तली भुनी व बासी भोजन नहीं कराये। इसके साथ ही ठंडी चीजों से परहेज रखें। इसके अलावा गर्मी से बाव के लिए अधिक मात्रा में पानी का सेवन करें। मौस्मी फलों, शीतल पेयों का अधिक उपयोग करें। चाय से परहेज करें। यदि लोग एहतियात बरतें तो बार बार परिवर्तित होने वाले मौसम से बचा जा सकता है।

प्रशिक्षु पटवारी के बीच अल्पविराम सत्र का आयोजन

राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग की टीम द्वारा छिंदवाड़ा में पूरे प्रदेश के प्रशिक्षु पटवारी के लिए संचालित प्रशिक्षण में दो दिन 50-50 प्रतिभागियों के समूहों में अल्पविराम सत्र का आयोजन किया गया। अल्पविराम के सत्र के दौरान प्रशिक्षु पटवारी को बताया गया कि हम बिना तनाव के अपने कार्यों को कैसे आसान तरीके से कर सकते हैं। हम अपने कार्यों को किस तरह आनंदपूर्वक कर सकते हैं। इसके लिए छोटे-छोटे टूल्स के माध्यम से अल्पविराम सत्र को संचालित किया गया। सत्र संचालन के लिए राज्य आनंद संस्थान की छिंदवाड़ा टीम के सदस्यों के अतिरिक्त कटनी से अनिल कांबले, डीपीएल, आनंद विभाग, कटनी की सहभागिता रही।

मतदान का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल करने पर दर्ज हुई प्राथमिकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

संसदीय निर्वाचन क्षेत्र खजुराहो अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्र - 94 बहोरीबंद मे 26 अप्रैल को मतदान के दौरान मतदान केन्द्र क्रमांक 141 के मतदान कक्ष के अंदर का वोट डालनें का वीडियों सोशल मीडिया में अपलोड कर मतदान केन्द्र की गोपनीयता भंग करने के मामले में पीठासीन अधिकारी पंकज पटेल निवासी पन्ना मोड़ कुठला की सूचना पर स्लीमनाबाद पुलिस थाना में मतदाता पंकज साहू निवासी स्लीमनाबाद के खिलाफ 18 मई को एफ.आई.आर दर्ज की गई है।

पीठासीन अधिकारी पंकज पटेल के द्वारा थाना प्रभारी स्लीमनाबाद को आवेदन प्रस्तुत कर उल्लेख किया गया है कि जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेशानुसार उनकी ड्यूटी पीठासीन अधिकारी के पद पर शासकीय हाई स्कूल भवन स्लीमनाबाद के मतदान केन्द्र क्रमांक 141 में मतदान दल पी - 1 दिलीप कुमार द्विवेदी, पी-2 मंगल सिंह गौंड एवं पी-3 अजय मसीह के साथ लगी थी।

शनिवार को किया वीडियो वायरल

एस.डी.एम एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर बहोरीबंद ने पीठासीन अधिकारी पंकज पटेल को बताया कि मतदाता पंकज साहू द्वारा मतदान दिवस 26 अप्रैल को मतदान प्रारंभ के समय प्रातः 7 बजे से शाम 6 बजे के बीच ई.व्ही.एम मशीन में वोट डालने का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शनिवार 18 मई को दोपहर करीब सवा दो बजे को अपलोड कर सार्वजनिक किया गया है। जिससे मतदान की गोपनीयता भंग हुई है। इसके लिए पंकज साहू निवासी स्लीनाबाद के विरूद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

पीठासीन अधिकारी पंकज पटेल के आवेदन पर शनिवार को स्लीमनाबाद पुलिस थाना में मतदाता पंकज साहू निवासी स्लीमनाबाद के विरूद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 188 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, 1951, 1989 की धारा 128 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

रेलवे स्टेशन के बाहर बनी हुई है बेतरतीब व्यवस्था

जहां मर्जी वहां खड़े किये जा रहे वाहन, यात्रियों का आवागमन हो रहा मुश्किल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मुख्य रेलवे स्टेशन के बाहर ऑटो रिक्शा खड़े किए जाने को लेकर स्थान निर्धारित किए जाने के बावजूद ऑटो चालक स्टेशन गेट के बाहर ऑटो खड़ा कर रहे हैं। स्टेशन गेट के बाहर ऑटो रिक्शा खड़ा किए जाने से यात्रियों को स्टेशन से आने और जाने दोनों में ही परेशानी होती है। सबसे अधिक परेशानी का सामना सुबह और शाम के समय करनी पड़ती है। दोनों ही समय में स्टेशन में यात्रियों का दबाव अधिक रहता है जिससे परेशानी होती है।

स्टेशन के बाहर सर्कुलेटिंग क्षेत्र में आरपीएफ कर्मियों की ड्यूटी नहीं लगाई जाती है। आरपीएफ कर्मियों की ड्यूटी स्टेशन के बाहर तभी लगाई जाती है जब कोई रेलवे का अधिकारी निरीक्षण के लिए आता है। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी लगने से कोई भी ऑटो रिक्शा स्टेशन गेट पर नहीं आता है। निरीक्षण कर अधिकारी जैसे ही वापस लौटते हैं स्थिति दोबारा जस की तस हो जाती है। निरीक्षण के समाप्त होते ही आरपीएफ कर्मी चले जाते हैं जिसके कारण ऑटो रिक्शा चालक फिर सवारी की लालच में ऑटो रिक्शा को गेट पर ही खड़ा कर देते हैं। रेलवे स्टेशन के बाहर सबसे अधिक परेशानी सुबह के समय होती है। इस समय यात्री ट्रेनों का दबाव अधिक रहता है। प्लेटफार्म में यात्री ट्रेन से उतरने के बाद स्टेशन के बाहर आते हैं तो वहां पर ऑटो रिक्शा चालक जाम लगाए खड़े रहते हैं। ऑटो रिक्शा के कारण यात्रियों को निकलने में परेशानी होती है। यात्री ट्रेनों के आने के बाद स्टेशन गेट सामने सवारी बैठाने की होड़ सी मच जाती है। कई बार तो सवारियों को बैठाने के चक्क्र में बात बहस की नौबत तक आ जाती है। सब कुछ देखकर भी रेलवे के जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

सीमांकन प्रकरणों के निपटारे में ढ़ीमरखेड़ा तहसील निरंतर अग्रणी

कलेक्टर के निर्देश पर सीमांकन के 13 सौ से अधिक प्रकरणों का निराकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर अवि प्रसाद के निर्देश पर जिले में लंबित सीमांकन प्रकरणों के निराकरण हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान में दिन-व-दिन तेजी आई है। मैदानी राजस्व अमला और राजस्व अधिकारियों की सकारात्मक सोच और किसानों की मदद के भाव से किये गए प्रयासों की वजह से अभियान के दौरान जिले में अब तक 1 हजार 357 सीमांकन प्रकरण निपटाये जा चुके है। सीमांकन के लंबित प्रकरणों के निराकरण मे बेहतर कार्य करनें वाले पटवारियों और राजस्व निरीक्षकों को कलेक्टर अवि प्रसाद द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा राजस्व अधिकारियों को आर.सी.एम.एस. पोर्टल पर लोकसेवा गारंटी अधिनियम के तहत दर्ज लंबित सीमांकन प्रकरणों को समय-सीमा में प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश दिए गये थे। साथ ही उन्होंने अधिकारियों से कहा था कि वर्तमान में खेतों से फसल की कटाई हो जाने से खेत खाली है। जिससे सुविधाजनक ढंग से सीमांकन कार्य किया जा सकता है। कलेक्टर के निर्देश के बाद जिले में सीमांकन प्रकरणों के निराकरण की दिशा में हुई कारगर पहल की वजह से इसके निराकरण में तेजी आई है।

तहसील ढ़ीमरखेड़ा अग्रणी

कलेक्टर के निर्देश के बाद सीमांकन प्रकरणों के निराकरण के मामले में जिले की तहसीलों में ढ़ीमरखेड़ा तहसील 236 सीमांकन प्रकरणों का निराकरण कर निरंतर अव्वल स्थान पर है। जबकि कटनी नगर 166 मामलों के निपटारे के साथ दूसरे स्थान पर है और बरही तहसील ने 146 सीमांकन प्रकरणों का निपटारा कर तीसरे पायदान पर है। इसी प्रकार स्लीमनाबाद तहसील द्वारा चौथे स्थान में रहकर 138 सीमांकन प्रकरणों का निपटारा किया जा चुका है। वहीं विजयराघवगढ़ तहसील एवं बहोरीबंद तहसील द्वारा संयुक्त रूप से 137-137 प्रकरणों का निराकरण कर जिले में पांचवे स्थान पर है। जबकि तहसील रीठी द्वारा छठे नंबर पर रहकर अब तक कुल 136 सीमांकन प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। वहीं जिले की बड़वारा तहसील द्वारा 134 सीमांकन प्रकरण निपटाकर सातवे स्थान पर और कटनी तहसील 127 सीमांकन प्रकरण के निपटारे के साथ आठवें पायदान पर है।

कलेक्टर कर रहे प्रकरणों की समीक्षा

कलेक्टर श्री प्रसाद और अपर कलेक्टर साधना परस्ते द्वारा सीमांकन प्रकरणों के निराकरण की स्थिति की प्रतिदिन समीक्षा की जाकर राजस्व अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये जा रहे है। सीमांकन प्रकरणों के निपटारे में आई तेजी की वजह से बड़ी संख्या में किसान भाइयों से सीमांकन के आवेदन प्राप्त हो रहे है।

कलेक्टर के निर्देश पर संचालित विशेष अभियान के तहत निराकृत सीमांकन प्रकरणों के प्रति किसानों का भरोसा बढ़ा है। निराकृत प्रकरणों का आर.सी.एम.एस. पोर्टल में दर्ज मामलों पर किसान भी खुश है।

निजी अस्पताल में प्रसव कराने की जांच के लिए समिति गठित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर अवि प्रसाद को शुक्रवार की शाम जिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान यह तथ्य संज्ञान में आया कि बहोरीबंद विकासखण्ड से 108 एम्बुलेन्स से लाई गई एक मरीज सविता कोल पति छोटे कोल, ग्राम पटुरिया तहसील बहोरीबंद को जिला अस्पताल में भर्ती के उपरांत निजी अस्पताल में प्रसव,जॉच कराने हेतु आशा कार्यकर्ताओं द्वारा सम्पर्क किये जाने की सूचना प्राप्त हुई है। कलेक्टर श्री प्रसाद ने इस शिकायत की विस्तृत जांच हेतु 3 सदस्यीय दल का गठन किया है।

गठित समिति में अपर कलेक्टर श्रीमती साधना परस्ते, संयुक्त कलेक्टर संस्कृति शर्मा और सविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ यशवंत वर्मा को रखा जाकर 24 घंटे के अंदर समस्त तथ्यों का जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करनें के निर्देश दिए है। जांच एवं बयान की कार्यवाही के दौरान कलेक्टर अवि प्रसाद स्वयं जिला चिकित्सालय में मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

हादसे में घायल प्रौढ़ को पहुंचा अस्पताल

कटनी। पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के द्वारा सड़क दुर्घटनाओ में घायलों को तत्काल सहायता प्रदाय करने के उद्देश्य से यातायात हाईवे सुरक्षा चौकी जुहला बाईपास में यातायात पुलिस बल की पदस्थापना की गयी है। गत शाम साढ़े 4 बजे राहगीरों द्वारा बंजारी मोड के पास एक्सीडेंट की सूचना जुहला बाईपास चौकी में दी गयी। सूचना प्राप्त होते ही चौकी से सउनि राजेश कोरी, आरक्षक दीपक चक्रवर्ती एवं घनश्याम निषाद ने तत्काल घटनास्थल पहुँच कर पाया कि सड़क पर बैठे बैल से बाइक टकरा जाने के कारण एक्सीडेंट हुआ। जिसमे कटनी से चिरुहली जा रहे राजेन्द्र सिंह उम्र 65 वर्ष निवासी चिरुहली थाना बड़वारा को सर में चोट लगी है। स्टाफ द्वारा घायल व्यक्ति को निजी वाहन से शासकीय जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ वह इलाजरत है। घायल व्यक्ति एवं मोटर साइकल को परिजनों के सुपुर्द किया गया।

अवैध कालोनी निर्माण करने पर मामला दर्ज

कटनी। ग्राम चाका और ग्राम मझगवां में अवैध कॉलोनी निर्मित करने वाले दो कॉलोनाइजरों के खिलाफ कुठला थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। कलेक्टर अवि प्रसाद ने भूमि के संबंधित खसरे के कालम नंबर 12 में अहस्तांतरणीय दर्ज करने एवं नामांतरण, बटवारा आदि की कार्यवाही नहीं करने के भी निर्देश दिए हैं। अवैध कॉलोनाइजरों के खिलाफ कलेक्टर अवि प्रसाद के सख्त रुख के कारण जिले भर के कॉलोनाइजरों में हड़कंप की स्थिति निर्मित है। कटनी के राजीव गांधी वार्ड निवासी शैलेश कुमार गुप्ता पिता स्वर्गीय श्याम सुंदर गुप्ता द्वारा ग्राम मझगवां पटवारी हल्का नंबर 20 में खसरा नंबर 121/1 के 1.25 हेक्टेयर भूमि पर रोड निर्मित करके प्लाट काटे गए और अवैध रूप से प्लाटिंग की गई। इस मामले पर गंभीरता दिखाते हुए कलेक्टर अभी प्रसाद ने अवैध रूप से कॉलोनी विकसित करने वाले कॉलोनाइजर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश के आधार पर ग्राम पटवारी के द्वारा कुठला थाने में कालोनाइजर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया गया। कटनी तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम चाका पटवारी हल्का नंबर 23 में मंगू भाई पिता चटूआ, दासिया बाई पति छकौड़ी एवं एक अन्य के नाम पर दर्ज जमीन में अवैध रूप से कॉलोनी विकसित की जा रही थी। कलेक्टर अवि प्रसाद के निर्देश पर ग्राम पटवारी के द्वारा अवैध रूप से कॉलोनी विकसित करने वालों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई जिसके आधार पर पुलिस ने अवैध कॉलोनाइजरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

56 कबाड़ व्यवसायियों को पहरूआ बायपास जाने एक पखवाड़े का दिया समय

कलेक्टर के निर्देश पर सालों बाद हुई सख्ती, कबाड़ दुकानें हटाने नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कटनी

मुख्य मार्गों एवं रिहायशी बस्तियों में संचालित कबाड़ दुकानों को हटाने के लिए सालों बाद अब जाकर सख्ती बरती जा रही है। कलेक्टर अवि प्रसाद ने इस मसले को गंभीरता से लिया और समय सीमा की बैठक में नगर निगम के अधिकारियों को कार्यवाही के निर्देश दिए तो नगर निगम ने जब इसकी पड़ताल की तो तथ्य चौंकाने वाले सामने आए। जिसके बाद नगर निगम ने अब 56 कबाड़ियों को नोटिस देकर व्यवसाय को रिहायसी इलाके से दूर ले जाने का नोटिस दिया है। विदित है कि शहर में घनी आबादी के बीच वर्षों से कबाड़ का बड़ा व्यापार नियम विपरीत संचालित होता रहा।

शहर सहित उप नगरीय क्षेत्रों में संचालित 56 कबाड़ दुकान, गोदाम संचालकों को नगर निगम द्वारा जारी नोटिस में बताया गया है कि आपके द्वारा विभिन्न सामग्री सड़क पर एकत्रित करके अतिक्रमण किया गया है, जो नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 322(1) में उल्लेख है। जिस पर धारा 322(2) के अनुसार 6 माह का कारावास या 5 हजार रुपए तक के अथवा दोनों से दंडित किए जाने का प्रवधान है। दहन शील सामग्री एकत्रित कर व्यवसाय करने पर आगजनी की घटना हो सकती है। जान माल को खतरा है इस लिए नगर पालिक निगम अधि.1956 की धारा 338 के अधीन आपके उक्त संग्रहण को तत्काल निषेधित किया जाता है। कबाडियों द्वारा बिना ट्रेड लाइसेंस (अनुज्ञप्ति) के व्यवसाय किया जा रहा है। जबकि नगर निगम अधि.1956 की धारा 427 सहपठित धारा 428 के अंतर्गत भयप्रद, उत्तेजक, ज्वलनशील पदार्थ विक्रय, संग्रहण कर धारा 248(क) का उल्लंघन किया जा रहा है। नगर निगम सीमा के अंदर कबाड़ को एकत्रित कर गंदगी की जा रही है। जिसके कारण नगर पालिक निगम अधि.1956 की धारा 273 एवम 277 के अधीन कार्यवाही के भागीदार हैं। निकाय सीमांतर्गत प्लास्टिक सामग्री, ज्वलन सामग्री को एकत्रित कर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 एवम प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 का उल्लंघन किया जा रहा है।

पहरूआ बायपास जाने कहा

नगर निगम ने कबाड़ व्यवसाईयों को कहा है कि 15 दिवस की अवधि में रिहायशी क्षेत्र से दुकानों का संचालन बंद करते हुए पहरुआ बायपास मार्ग के किनारे आबादी क्षेत्र से बाहर निजी भूमि में व्यवसाय करने के लिए वे स्वतंत्र है। दुकान संचालक को पूर्व नियम अनुसार सक्षम स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। साथ ही पर्यावरण प्रदूषण विभाग की स्वीकृति उपरांत नियम शर्तों का पालन करते हुए ही व्यवसाय करने के निर्देश दिए गए हैं। अगर इसके बाद भी कबाड़ दुकान संचालक अपना व्यापार बंद नहीं करते तो नगर निगम दंडात्मक कार्रवाई करेगा। साथ ही सख्ती के साथ दुकान हटाने की कार्यवाही होगी।

इन दुकानदारों को दिया नोटिस

नगर निगम ने इंदिरा नगर में रवि नायक, मोहम्मद नौशाद, शौफिक, आजाद चौक गाटरघाट में तौफीक खान, नगीना मस्जिद के पास आसिफ खान, बस स्टैंड में मोहम्मद यूनुस, शंकर मंजू, अतीत खान, संतोष सोनी, आसिफ खान, मोहम्मद सिकंदर खान, राजेश रावलानी, मनीष जायसवाल, मेन रोड रचना नगर मो. यूसुफ, राजू अहिरवार नई बस्ती, गौरी हॉस्पिटल के समीप राज, तिलक कॉलेज रोड पर मुकेश वंशकार, सल्लू वंशकार, गायत्री मंदिर गली समसेख खान, प्रेम नगर में मोहम्मद अनीस, बोरा गली घंटाघर में अजहरुद्दीन, बैंड हाल के पीछे अफजल कुरेशी, मोहम्मद यूनुस, अल्फर्टगंज मस्जिद के पास अब्दुल सत्तार, मोहम्मद समीम, मोहम्मद फिरोज, मजार गली में मजहर, बदरुद्दीन, मोहम्मद कुरैशी, दुर्गा मंदिर के पास आदिल खान, बबली टोला, रिंकू खान, बरगवां रोड सारिक खान, बगिया टोला शरीफ खान, कब्रिस्तान रोड नसरुद्दीन, गोल बाजार में मोहम्मद फिरोज, शनि मंदिर हीरागंज में दीपक चौधरी, बीएसएनल ऑफिस के सामने रसीद शाह, बरगवां रोड में जावेद खान, पंडित होटल के पास कलीम खान, अल्फर्टगंज मोहम्मद शकील, लक्ष्मी चौक में जग्गी मेंन रोड में शेख, बारडोली रोड में राजकुमार, बारडोली कॉलेज के सामने दीपक, सुलभ कांप्लेक्स के सामने सूरज, विवेकानंद वार्ड में शेख आकिब, सब्जी मंडी में विनोद, प्रकाश, मेंन बाजार में मोती लाल, इमलिया रोड में सद्दाम हुसैन, पुत्री शाला स्कूल के पास लालजी प्रसाद गौतम, मोहम्मद सरफराज, आत्माराम धर्मशाला के पास शंकर जगवानी, बाबा नारायण शाह वार्ड में रामकरण, बिलहरी मोड़ झिझरी में आनंद कुमार को नोटिस जारी किया गया है।

मदिरा का अवैध संग्रहण व विक्रय करने पर कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कटनी

जिले में अवैध मदिरा के संग्रहण, परिवहन, विक्रय और निर्माण की रोकथाम हेतु कलेक्टर अवि प्रसाद के निर्देश पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही का सिलसिला जारी है।

इसी क्रम में विगत 15 एवं 17 मई को प्राप्त सूचना के आधार पर जिला आबकारी अधिकारी आर के बघेल के मार्गदर्शन में आबकारी वृत्त प्रभारी बड़वारा, विजयराघवगढ, कटनी क्रमांक 02, कटनी क्रमांक 03 द्वारा ग्राम हरतला, डोकरिया , करेला, सलैया कुहारी, बडारी, कैलवारा, खरखरी, रामपुर खिरहनी, एवं रोशन नगर में मदिरा का अवैध रुप से निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय में संलिप्त व्यक्तियों के यहां संयुक्त रूप से दबिश दी गई। दबिश के दौरान आबकारी विभाग की टीम द्वारा 1.5 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 163 पाव देशी मदिरा मौके पर जब्त की गई जिसका अनुमानित मूल्य लगभग 14 हजार रूपये है। दबिश की कार्यवाही के दौरान कुल 9 न्यायालयीन प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के तहत पंजीबद्ध किये गए।

उपरोक्त कार्यवाही के दौरान सहायक जिला आबकारी अधिकारी सूर्यभान कोरी, आबकारी उपनिरीक्षक महेन्द्र कुमार शुक्ला, राजेश गौटिया, चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी, देवेन्द्र प्यासी सम्मिलित रहे। जिला आबकारी अधिकारी श्री बघेल ने बताया कि अवैध मदिरा के संग्रहण परिवहन विक्रय निर्माण रोकथाम हेतु जिले में इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

विद्युत अधिकारियों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश

कलेक्टर ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को मिले गुणवत्तापरक बिजली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कटनी

कलेक्टर अवि प्रसाद ने बिजली अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस भीषण गर्मी में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था पर विशेष फोकस रखें एवं यह सुनिश्चित करें कि विद्युत आपूर्ति निर्बाध रूप से हो। उन्होंने किसानों को निर्धारित समयावधि तक गुणवत्तापरक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की हिदायत देते हुए ग्रामीण क्षेत्र में सतत बिजली आपूर्ति पर ध्यान देने की हिदायत दी।

कलेक्टर ने कहा कि बिगड़े और पात्र ट्रांसफार्मर को तत्काल बदलने की कार्यवाही की जाय । इस मामले में सुधार करके संतुष्टि का स्तर बढाया जाये। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत समस्या न हो, जहाँ से विद्युत व्यवधान की सूचना मिलें तत्काल टीम भेजकर विद्युत आपूति सुचारू बनायें। कलेक्टर ने विद्युत लाइनों में बार-बार आ रही ट्रिपिंग और लो - वोल्टेज की भी समीक्षा कर उसके सुधार के निर्देश दियें।

कलेक्टर श्री प्रसाद ने ग्रामीण क्षेत्र में सुगम विद्युत आपूर्ति पर विशेष ध्यान देने की हिदायत देते हुए कहा कि बड़वारा क्षेत्र में और इसके आस-पास लगे गावों में आये दिन उपभोक्ताओं को कम वोल्टेज प्राप्त होने की शिकायतें मिल रही हैं। लो-वोल्टेज की समस्या के निराकरण हेतु कलेक्टर ने बिजली विभाग के अधिकारीयों से बैठक में सुझाव मांगा। बैठक में बताया गया कि 5 सब स्टेशन और 65 किलोमीटर की फीडर होने की वजह से बड़वारा बड़वारा क्षेत्र के करीब 22 बिजली उपभोक्ताओं और करीब 150 औद्योगिक इकाईयों को कम वोल्टेज प्राप्त होता है।

कलेक्टर श्री प्रसाद ने निर्देशित किया कि इस समस्या से ग्रामीणों कों निजात दिलाने देवरी हटाई, नन्हवारा सेझा या अन्य किसी उपयुक्त स्थान पर 132 के.व्ही. विद्युत सब स्टेशन बनाने का प्रस्ताव शासन को भेंजें। कलेक्टर ने कहा कि बिजली अधिकारी जल्दी ही प्रस्तावित विद्युत उपकेन्द्र के निर्माण के लिए भूमि चिन्हित कर अवगत कराए ताकि भूमि आवंटन की कार्यवाही तत्परता से की जा सके।

विकास एवं सौंदर्यीकरण का निरीक्षण कर दिये निर्देश

नगर निगम द्वारा संचालित सुरम्य पार्क को और अधिक बेहतर बनाने हेतु निगमायुक्त विनोद कुमार शुक्ल द्वारा निरंतर सतत प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में श्री शुक्ल द्वारा कटायेघाट बैराज के ऊपर अमकुही पहाड़ी क्षेत्र में नगरवासियों के लिए पार्क विकास, चक्की नदीघाट एवं सौंदर्यीकरण कार्य के लिए रिक्त और खुली भूमि का निरीक्षण किया गया साथ ही कोहारी नदी गहरीकरण तथा चंडिका नगर घाट का भी निरीक्षण कर उपयंत्री अश्विनी पांडेय को पक्का स्टॉप डेम निर्माण कार्य का प्रस्ताव तैयार करने निर्देशित किया गया।

अपर कलेक्टर ने स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर चाक-चौबंद व्यवस्था रखने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कटनी

अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती साधना परस्ते ने शनिवार को स्ट्रांग रूम स्थल कृषि उपज मंडी पहरूआ परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कटनी प्रदीप कुमार मिश्रा तहसीलदार द्वय शशिभूषण सिंह , आकाशदीप नामदेव और बिलहरी नायब तहसीलदार आशीष चतुर्वेदी भी मौजूद रहे। उन्होंने निरीक्षण के दौरान निरीक्षण पंजी रजिस्टर सहित सीसीटीवी और एलईडी टीवी का निरीक्षण कर सुरक्षा प्रहरियों को पूरी सजगता के साथ परिसर की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद बनाये रखने के निर्देश दिये। स्ट्रांग रूम के पास किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को जाने की अनुमति नहीं है।

गौरतलब है कि लोकसभा निर्वाचन 2024 में संसदीय क्षेत्र के मतदान में उपयोग की गई ईवीएम मशीन मतदान पश्चात कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रुम में सुरक्षित रखी गई हैं। इन मशीनों को स्ट्रांग रुम से मतगणना वाले दिन 4 जून को स्ट्रांग रुम से बाहर निकाला जायेगा।

कलेक्टर श्री प्रसाद के निर्देश पर कंट्रोल रूम की सुरक्षा व्यवस्था एवं निगरानी हेतु कार्यपालिक दंडाधिकारी भी नियुक्त किये गये हैं। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा की मुख्य जिम्मेदारी केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बल के जवानों ने संभाल रखी है। वहीं स्ट्रांग रूम के भीतर और उसके चारों ओर की प्रत्येक गतिविधि पर सीसीटीव्ही कैमरों से नजर रखी जा रही है। जिसका सुगम प्रदर्शन भी मंडी परिसर में स्थापित एल.ई.डी काउंटर में किया जा रहा है।

जान बचाने के अभियान में सहभागी बनने लोगों से अपील

कलेक्टर ने बर्थ वेटिंग रूम पहुंचकर हाई रिस्क महिलाओं के इलाज प्रबंधों को देखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कटनी

कलेक्टर अवि प्रसाद ने शुक्रवार को जिला चिकित्सालय पहुंचकर यहां बर्थ वेटिंग रूम में उपचाररत हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के ईलाज के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया और यहां भर्ती प्रसूताओं से चर्चा कर उन्हे यहां मिल रहे उपचार प्रबंधों को देखा। बर्थ वेटिंग रूम मे रीठी व कुठला की हाईरिस्क दो प्रसूताएं भर्ती है, जो एनेमिक है। इन दौनो को दो- दो यूनिट खून चढ़ाया जा चुका है। जबकि यहां भर्ती तीसरी हाई रिस्क गर्भवती महिला चिरूहला रीठी की है जो उच्च रक्तचाप से पीड़ति है। यहां इन तीनों महिलाओं की विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उपचार हो रहा है।

बताते चले की जिले की मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए कार्ययोजना बनाकर इस पर अमल शुरू किया गया है। इसके तहत हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित प्रसव हेतु प्रसव की संभावित तिथि के चार से 7 दिन पूर्व जिला चिकित्सालय और सिविल अस्पताल विजयराघवगढ़ में बनाये गए अत्याधुनिक चिकित्सकीय सुविधाओं से युक्त बर्थ वेटिंग रूम में भर्ती कर उपचार किया जाता है और एनेमिक गर्भवती महिलाओं को खून चढाया जाता है। कलेक्टर यहां गुरूवार को भी पहुंचे थे और हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं के बर्थ वेटिंग रूम गये थे।

कलेक्टर की अपील

कलेक्टर श्री प्रसाद ने गर्भवती महिलाओं के परिवारजनों से अपील की है कि डॉक्टर्स और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर पर आयोजित होने वाले स्वास्थ्य शिविर में चिन्हित हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को विशेषज्ञों की परामर्श के अनुसार अस्पताल में भर्ती कराने में जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग को सहयोग करें। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन के लिए जच्चा और बच्चा दोनों की जिंदगी अमूल्य है। इसलिए डॉक्टर्स की सलाह माने और अमल करें। इससे हाई रिस्क मामलों में बेहतर इलाज से जिंदगी बचाई जा सकती है। इसलिए जिंदगी बचाने के अभियान में सहभागी बने।

किसानों को दी सामयिक सलाह, बढ़ सकता है का उत्पादन

ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की फसल को कीट व्याधि से बचाने दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कटनी

जिले में ग्रीष्म कालीन मूंग और उड़द के बढ़ते रकबे को देखते हुये इन फसलों को कीट-व्याधि से बचाने के उपाय किसानों को सुझाये गये हैं । किसान कल्याण तथा कृषि विभाग के मुताबिक जायद में मूंग एवं उड़द की फसल पर कीटों और रोगों का प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इन फसलों का औसत उत्पादन दस क्विंटल प्रति हेक्टेयर होता है, कीटों एवं रोगों से बचाव करने पर इसमें वृद्धि की जा सकती है।

कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ आर.पी.बेन के अनुसार कम लागत और अंतरफसल के रूप में अतिरिक्त आय के अलावा मूंग एवं उड़द की फसलें मिट्टी की उर्वरकता में सुधार करने में सहायक होती हैं। कम अवधि वाली ये दलहनी फसलें 40 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर वायुमंडलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण भूमि में करती हैं और कटाई के बाद 1.5 टन कार्बनिक पदार्थ को खेत में छोड़ जाती है। जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। उन्होंने बताया कि मूंग एवं उड़द की अधिकतम पैदावार के लिये भूमि का उचित प्रबंधन, प्रारंभिक खरपतवार नियंत्रण संतुलित उर्वरक का उपयोग, क्रांतिक अवस्था में सिंचाई, समय पर का प्रभावी नियंत्रण तथा समय पर कटाई आदि लाभदायक होती है।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ बेन के मुताबिक कुछ बीमारियां महामारी की स्थिति में मूंग एवं उड़द की उपज में गंभीर नुकसान का कारण बनती है। मूंग-उड़द की फसलों में अधिकतर सफेद मक्खी, फली छेदक इल्ली, माहू तथा बिहार रोमिल इल्ली का प्रकोप देखा जाता है। पत्तीभक्षक या इल्ली वर्गीय कीटों की रोकथाम के लिये लैम्बडासाइटेलोथ्रिन 10 ईसी का 0.5 मिलीलीटर, क्विनोल्फॉस 25 ईसी का 2.5 मिलीलीटर या फेनवेलरेट 20 ईसी का 2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से उपयोग कर नियंत्रित किया जा सकता है। मूंग एवं उड़द फसलों में माहू या सफेद मक्खी जैसे रस चूसक कीटों का प्रकोप होने की स्थिति में 2 मिलीलीटर इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल का प्रति लीटर पानी में उपयोग कर 15-15 दिनों के अंतराल में रखे करें या थियामेथोक्साग 25 डब्ल्यू पी का 0.3 ग्राम लीटर या नीम तेल 5 प्रतिशत का 50 ग्राम प्रति लीटर का छिडकाव करना लाभप्रद होता है।

मूंग एवं उड़द की फसलों में बीमारियों का शीघ्र पता लगाना एकीकृत रोग प्रबंधन के दृष्टिकोण से बीमारियों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिये महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि मूंग उड़द में पीला मोजेक, सकॉस्पोरा, पर्णदाग, एन्थक्नोज तथा भमूतिया रोग प्रमुख है। पीला मोजेक सफेट मक्खी द्वारा फैलता है। इसके नियंत्रण के लिये मैलाथियान 50 ईसी का 2 मिलीलीटर या ऑक्सीडेमेटोन मिथाइल 25 ईसी का 2 मिलीलीटर का छिडकाव 15-15 दिनों के अंतराल में करना फायदेमंद होता है। फफूंद से होने वाले रोग अल्टेरनारिया या सर्कोस्पोरा के नियंत्रण के लिए जिनेव 80 डब्लूपी या जिरम 80 डब्लूपी का 2 ग्राम या कार्बेन्डाजिम 50 डब्लूपी का 1 ग्राम या कार्बेन्डाजिम 50 डब्लूपी के साथ डाइथेन एम-45 का 2 ग्राम प्रति लीटर का आवश्यकतानुसार छिडकाव करना किफायती होता है। भभूतिया रोग के लक्षण दिखाई देने पर सल्फर 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करने से नियंत्रित किया जा सकता है।

कलेक्टर ने सीबीएसई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनें वाले छात्रों को दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कटनी

कलेक्टर अवि प्रसाद के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में संचालित जवाहर नवोदय विद्यालय बड़वारा की कक्षा 12वी में अध्ययनरत 6 छात्रों तथा कक्षा 10वीं में अध्ययनरत तीन छात्रों द्वारा सीबीएससी परीक्षा 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले को गौरवान्वित किये जाने पर विद्यालय समिति द्वारा छात्रों के साथ शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुचकर कलेक्टर श्री अवि प्रसाद से सौजन्य भेंट की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री प्रसाद नें उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले को गौरवांन्वित करनें वाले छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर सम्मानित करते हुए अंकसूची प्रदान की गई तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस दौरान शाला प्रबंधन के सदस्य, छात्र-छात्राएं सहित उनके अभिभावक मौजूद रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय के कक्षा 12वी के विज्ञान संकाय के छात्र राजीव लोचन दाहिया नें 90.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, रेहान अख्तर ने 90.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान तथा अभय सिंह ठाकुर नें 89.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान अर्जित किया है। इसी प्रकार कला संकाय की अंशिका पांडेय नें 91.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, जागृति चौधरी ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय तथा सर्जना कोल ने 87.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान अर्जित किया है। कक्षा 10 वी में कला संकाय के सत्यार्थ कुमार गौतम नें 96.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, राधिका गुप्ता ने 92.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय और युगांत चौरागडे ने 91.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान अर्जित किया है।

खबर संक्षेप

घरेलू विद्युत उपकरण मरम्मत का निःशुल्क प्रशिक्षण 21 मई से

पन्ना। भारतीय स्टेट बैंक के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) में आगामी 21 मई से 19 जून तक 30 दिवसीय घरेलू विद्युत उपकरण मरम्मत का निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में घरों में उपयोग होने वाले सभी इलेक्ट्रिक उपकरणों की मरम्मत से संबंधित समस्त प्रकार के कार्यों को रिपेयरिंग करना सिखाया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान रहने एवं चाय, नाश्ता व भोजन की उच्चतम गुणवत्ता की संपूर्ण व्यवस्थाएं भी निःशुल्क रहेंगी। इच्छुक आवेदक 21 मई 2024 तक संस्थान में संपर्क कर आवेदन कर सकते हैं। संस्था के निदेशक ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए आवश्यक दस्तावेज निर्धारित हैं। आधार कार्ड, बीपीएल कार्ड या जॉब कार्ड अथवा ई-श्रम कार्ड के साथ न्यूनतम कक्षा 8वीं उत्तीर्ण की अंकसूची और आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक, 6 पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो तथा सभी दस्तावेजों की दो प्रतियों में छायाप्रति आवेदन में संलग्न करना अनिवार्य है। पन्ना जिले के मूल निवासी ग्रामीण क्षेत्र के आवेदक निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए आरसेटी संकाय जितेन्द्र सिंह के मोबाइल नंबर 8319006700 पर संपर्क किया जा सकता है।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक कल

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार, 20 मई को टीएल बैठक के उपरांत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक आयोजित की गई है। इस दौरान जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों व शालाओं एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल की समीक्षा सहित समूह जल प्रदाय योजनाओं तथा एकल ग्राम योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी होगी। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड महेन्द्र सिंह ने संबंधित अधिकारियों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

कागजी कोरम पूर्ति करके हप्प हो गई सड़क निर्माण की राशि?

गुनौर। मध्य प्रदेश के किसी भी जिले में अगर भ्रष्टाचार सबसे ज्यादा देखना है तो जनपद पंचायत गुनौर की ग्राम पंचायत श्यामल डांडा में आइऐगा? क्योंकि यहां पर सचिव एवं पंचायत प्रशासन की भ्रष्ट कार्य प्रणाली के चलते विकास कार्य के साथ-साथ अन्य मदों की राशि भ्रष्टाचार की नांद में समा रही है। और यह भ्रष्टाचार कुछ ऐसा वैसा नहीं है बल्कि नीचे से ऊपर तक मिल रही कमीशन खोरी के आगे सड़क निर्माण की राशि को ही काव्य पुराण पूर्ति में दफन कर दिया गया है जिससे ग्रामवासी खासे नाराज हैं?क्या है मामला- ग्राम पंचायत के रहवासियों के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत श्यामल डांडा में मुख सड़क मार्ग से मुरलीधर परौहा के खेत तक सड़क निर्माण कराए जाने हेतु विधायक निधि से 500000 की राशि षग्रोवल रोड (मुरमीकरण) हेतु जिला योजना मंडल के तहत दिनांक 14/04/2023 को स्वीकृति प्रदान की गई थी उसके बाद इस सड़क का मुर्गी करने के तहत निर्माण कार्य कराया जाना था। मगर भ्रष्ट पंचायत प्रशासन के द्वारा पूर्व से बनी रोड में ही थोड़ी बहुत मर्म डालकर उसे दिखाकर सारी राशि की बंदर बांट कर ली गई है। ऐसा नहीं है कि इसकी जानकारी पंचायत जनपद पंचायत के प्रशासनिक अधिकारियों को ना हो बल्कि सभी को जानकारी होने की बावजूद भी कमीशन खोरी की नियति के चलते ओके विकास कार्य की राशि को वंदरबांट कर लिया गया है।

जिला अस्पताल में माह के प्रत्येक 2, 9, 16 व 25 को गर्भवती महिलाओं की जांच

आरबीएस अंतर्गत एसएनसीयू में भर्ती बच्चों की आरओपी की जांच हुई प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के विशेष प्रयासों से जिला अस्पताल में अनेक स्वास्थ्य सेवाऐं प्रारंभ हो रही है। इसी क्रम में कम उम्र में जन्म लेने वाले व एस.एन.सी.यू. में भर्ती होने वाले सभी बच्चों में आर.ओ.पी. (रेटीनोपैथी आफ प्रीमेच्योरिटी) की भी जांच प्रारंभ हो गई है। सी.एम.एच.ओ. डॉ. सरोजनी जेम्स बेक ने बताया की जन्मजात विकृति होने से रोकने हर गर्भवती महिलाओं की समय-समय पर जांच के साथ आयरन, कैल्सियम, व फालिक एसिड देकर महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाऐं प्रदाय करने का प्रयास किये जा रहे है। यदि किसी बच्चा कोई रोग या दोष के साथ पैदा होता है उसकी पहचान एस.एन.सी.यू., आर.बी.एस.के. व डी.ई.आई.सी. के माध्यम से पता कर अर्ली डिटेक्शन अर्ली इंटरवेशन के माध्यम से रोग को ठीक करने का कार्य संस्था द्वारा किया जा रहा है। कम वजन या कम समय के साथ पैदा हुये बच्चे को एस.एन.सी.यू. में भर्ती कर जीवन बचाने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही बच्चे का पूर्ण हेल्थ स्क्रीनिंग कर रोग का पता कर आवश्यक उपचार व सर्जरी के माध्यम से ठीक किया जा रहा है ताकि जन्मजात विकृति को समय पर रोका जा सकें। सिविल सर्जन डॉ. राजेश नामदेव एवं डॉ. विशाल शुक्ला ने बताया कि जिला अस्पताल में मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत माह के प्रत्येक 2, 9, 16 व 25 को गर्भवती महिलाओं की जांच, चिहिंत हाई रिस्क महिलाओं की जांच, सीटी स्केन, एक्सरा, ईको जांच, डायलेसिस के आलावा अन्य सेवाऐं हितग्राहियों को मिल रही है। इसी के साथ जन्म लेने वाले बच्चों में किसी भी रूप से जन्मजात विकृति न हो इसका ध्यान रखा जा रहा है। यदि कोई बच्चा जन्मजात विकृति के साथ जन्म लेता भी है तो त्वरित रूप से पहचान कर समय पर उपचार अथवा सर्जरी कराकर ठीक करने का कार्य जिला अस्पताल, एस.एन.सी.यू. व आ र . बी . ए स . के . डी.ई.आई.सी. के माध्यम से किया जा रहा है। आर.बी.एस.के. नोडल अधिकारी एवं एस.एन.सी.यू. प्रभारी शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जलज बजाज ने बताया कि प्रीमेच्योरिटी की रेटिनोपैथी समय से पहले पैदा हुए शिशुओं में होने वाला एक विकास है। जिसमें ऑख-रेटिना के पीछे छोटी रक्त वाहिकाऐं असामान्य रूप से बढ़ती है। यदि रेटिना संबंधी बीमारी समय पर पहचान व उपचार न किया जाये तो बच्चों में अंधापन होने की संभावना बढ़ जाती है।

सिंगपुर गुबरा ग्राम में भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का द्वितीय दिवस

भगवान से बढ़कर कोई और सुख और संपदा नहीं : पं आशीष कृष्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिग्रामपुर

ग्राम सिंगपुर पान गुबारा में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस. कथा वाचक पंडित आशीष कृष्ण शास्त्री ने कहा कि आप सब पर ठाकुर जी की कृपा है। जिसकी वजह से आप आज कथा का आनंद ले रहे है। कथा में नारद जी के पूर्व जन्म की कथा व व्यास जी द्वारा भागवत की ,, अमरकथा और शुकदेवजी के जन्म का वृतांत का विस्तार से सुनाया। श्रीमद् भागवत महापुराण कथा में यह भी बताया कि अगर आप भागवत कथा सुनकर कुछ पाना चाहते हैं. कुछ सीखना चाहते है तो कथा में प्यासे बन कर आए। कुछ सीखने के उद्देश्य से, कुछ पाने के उद्देश्य से आएं, तो ये भागवत कथा जरूर आपको कुछ नहीं बल्कि बहुत कुछ देगी। मनुष्य का जीवन सांसारिक भोग में नहीं कृष्णभक्ति में बिताएं. मनुष्य जीवन विषय वस्तु को भोगने के लिए नहीं मिला है। लेकिन आज का मानव भगवान की भक्ति को छोड़ विषय वस्तु को भोगने में लगा हुआ है। उसका सारा ध्यान संसारिक विषयों को भोगने में ही लगा हुआ है. मानव जीवन का उद्देश्य कृष्ण प्राप्ति शाश्वत है। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन का उद्देश्य कृष्ण को पाकर ही जीवन छोड़ना है और अगर हम ये दृढ़ निश्चय कर लेंगे कि हमें जीवन में कृष्ण को पाना ही है तो हमारे लिए प्रभु से बढ़कर कोई और सुख, संपत्ति या सम्पदा नहीं है। भागवत कथा श्रवण करने वालों का सदैव कल्याण करती है. भगवत कथा के समय स्वयं श्रीकृष्ण आपसे मिलने आए हैं. जो भी इस भागवत कथा स्थल पर विराजमान होकर भक्तो का सदैव कल्याण करती है।

कोयल की तरह मीठा बोलो, सब ध्यान से सुनेंगे : पं.ऋषिकांत गर्ग

बनवार। हिंडोरिया पिपरिया में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद भागवत कथा के दूसरे दिन बालव्यास पं.ऋषिकांत गर्ग जी महाराज ने द्वितीय दिवस ज्ञान भक्ति वैराग्य की कथा श्रवण करते हुए मोक्ष प्राप्ति की कथा श्रवण कराई। साथ ही व्यास नारद संवाद, परीक्षित जन्म, वस्ता के दस लक्षण, रसिका भूवि भाविका, कुन्ती चरित्र सहित विदुर मैत्री प्रसंग की कथा श्रवण कराई। कथा व्यास ने बताया कि हमेशा मधुर मीठा बोलो, वाणी के सुर सुधार लो, जिस तरह कौवा दिन भर कांय कांय करता है लेकिन कोई नहीं सुनता लेकिन जब कोयल बोलती है तो सब ध्यान से सुनते हैं इसी लिए कोयल बनो कौवा नहीं। जीव का कल्याण भगवत भजन से होगा क्योंकि जीव का जन्म प्रभु की भक्ति के लिए हुआ है, प्रभु का भजन जो जीव नहीं करता है पशु के समान होता है। अगर कल्याण चाहते हैं तो जन्म मरण के चक्कर से बचना चाहते हैं तो हरी भेजों, भगवान का भजन का भजन ही सार है बांकी सब बेकार है। इसके अलावा कथा महाराज जी ने कई प्रसंग सुनाए।

जाको राखे साइयाँ,मार सके न कोई, कुपोषित आदिवासी बच्ची को मिला जीवन

दमोह। अति कुपोषित साढ़े 4 किलो की बच्ची 2 मई को जिला अस्पताल दमोह में किसी दयालु पड़ोसी की मदद से लाई गई। मरणासन्न हालत में आई बच्ची को बिना देर किए, डॉक्टर्स ने देखा। मरीज की गंभीरता देखते हुए डॉक्टर्स ने उसे तत्काल पीआईसीयू में भर्ती कराया, जो कि बच्चों का आईसीयू होता है। 3-4 दिन भर्ती रखकर कुपोषित बच्ची की समस्त जांचे की गईं, जांचों में पाया गया कि बच्ची अतिकुपोषित है, रक्त में प्रोटीन एवं रक्त की गम्भीर कमी से पीड़ति है। बच्ची के जीवन के बचने की आस छोड़ चुके परिजनों, स्टाफ ने इलाज पूरी तत्परता से जारी रखा। ₹जाको राखे साइयां मार सके न कोई₹ कहते है ₹कर्म करो, फल की इच्छा मत करो₹, फलस्वरूप बच्ची पुनः जीवन की ओर लौटी। पीआईसीयू के बाद बच्ची को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती किया गया। विशेष फार्मूला डाइट और दवाओं के उपचार से बच्ची के स्वास्थ्य में निरंतर सुधार हुआ। पोषण पुनर्वास केंद्र के प्रभारी डॉ. सुनील जैन ने बच्ची के बारे में जानकारी देते हुए बताया आशा से आसमान टिका होता है। इस केस में निराश परिजनों पर चिकित्सकीय स्टाफ का बच्ची के स्वस्थ होने को लेकर आशान्वित बने रहना एवं अपना काम ईमानदारी से करना रंग लाया है। पीआईसीयू के इंचार्ज एवं सिविल सर्जन डॉ. राजेश नामदेव ने बताया कि जिस बुरे हाल में बच्ची आई थी और अब बच्ची का स्वास्थ्य अच्छी स्थिति में है, वह बड़ा संतोषजनक है। पोषण पुनर्वास केंद्र एवं पीआईसीयू दोनों जगह का स्टाफ बधाई का पात्र है।

20 मई को शिविर लगाकर वृद्धजनों को दी जायेगी सेवाऐं

दमोह। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजनी जेम्स बेक ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ देखरेख हेतु राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य देखरेख कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत 20 मई को जिले स्तर पर संचालित सभी स्वास्थ्य संस्थाओं यथा जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं आयुष्मान आरोग्यम मंदिर में वृद्धजनों हेतु विशेष स्वास्थ शिविर विशेषज्ञों की देखरेख में प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 04 बजे तक आयोजित किये जायेंगे। शिविर दौरान वृद्धजनों को हड्डी, नेत्र, नाक कान, गला, दांतो संबंधी विकार एवं स्त्री रोग, क्षय रोग, मानसिक स्वास्थ्य जैसी व्याधियों के ईलाज उपचार संबंधी सेवाऐं निःशुल्क उपलब्ध कराई जायेगी। सी.एम.एच.ओ. डॉ. बेक ने वृद्धजनों के साथ-साथ उनके परिवार के लोगों, परिजनों से आग्रह किया है कि 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को लेकर नजदीकी स्वास्थ्य संस्था में आयोजित शिविर में पहुँचकर दी जा रही सेवाओं का लाभ अवश्य उठायें। शिविर दौरान वृद्धावस्था में खान-पान की सावधानियां, पोषण एवं दैनिक दिनचर्या संबंधी जानकारी भी साझा की जायेगी।

निमार्ण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग

बनवार। जल निगम के द्वारा जबेरा जनपद के ग्राम लखनी और हिनोति ग्राम में पेयजल टंकी का निर्माण किया गया जहां चौकीदार रूम का निर्माण किया जा रहा है जिसमें घटिया ईटों का इस्तेमाल करके पूरा रूम बना दिया है। जबकि जलनिगाम के रूम निर्माण में कंक्रीट ईंटो का उपयोग होना चाहिए लेकिन यहां घटिया रिजेक्ट मिट्टी की इंटों सीमेंट की परत चढ़ाकर पूरा रूम निर्माण कर दिया गया। वही टंकी के नीचे जो फर्स किया गया उसमे घटिया सीमेंट रेत का उपयोग होने की वजह फर्स अभी से उखड़ गया है। वही टंकी की रेलिंग में भी घटिया सीमेंट का उपयोग किया गया है जो कि फोटो स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रहा है। जल निगम के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर मनोज राज का कहना रूम निर्माण घटिया सामग्री का ठेकेदार के द्वारा उपयोग किया गया है तो मैं जांच करवा लेता हूं।

विश्व संग्रहालय दिवस पर छात्र-छात्राओं ने किया सागर विश्वविद्यालय का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के 80 छात्र/छात्राओं ने डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर का शैक्षणिक भ्रमण किया जिसमें विश्वविद्यालय के संग्रहालय में मौजूद प्राचीन एवं पारंपरिक वस्तुओं से जुडी ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त की इसके साथ ही टाईम्स महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने माननीय भूपेंद्र सिह जी के जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित रक्तदान महादान कार्यक्रम में सम्मिलित हो कर शिवांगी पटैरया ,साक्षी सोनी ,ओम पाण्डेय, भावना सिंह, देवांस चैबे, रीतेश पटेल, अचल खरे के द्वारा रक्तदान किया। इस शैक्षणिक भ्रमण में महाविद्यालय के शिक्षक जागेश्वर चैरसिया ,शरद नामदेव, साधना पाण्डेय, रवीना अहिरवार एवं रूपाली जैन ने विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार एवं निर्देशक महाविद्यालयीन विकास समिती एवं मानव विज्ञान विभाग के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का आभार व्यक्त किया।

विख पटेरा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर खिलाड़ी निखर रहे अपनी प्रतिभाएं

पटेरा। मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष में ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिला खेल युवा कल्याण अधिकारी सैफ उल्लाल खान के निर्देशन अनुसार विकासखंड पटेरा के रुद्राक्ष स्कूल के खेल मैदान में खो खो एवं कराते कबड्डी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ब्लॉक समन्वयक नीलम पटेल ने बताया कि प्रशिक्षण में बालक एवं बालिकाएं 18 वर्ष कम उम्र के बच्चे भाग ले सकते हैं यह प्रशिक्षण 2 जून तक चलेगा जिसमें सुबह 6:00 से 8:00 तक प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें बच्चे अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। कराते प्रशिक्षण अजय कोरी द्वारा एवं खो-खो बृजेंद्र आदर्श एवं उनके सहयोगी माना आदर्श के माध्यम से दिया जा रहा है जिसमें बच्चे बढ़-चढ़कर अपनी प्रतिभाएं निखारते दिखाई दे रहे हैं।विकासखंड पटेरा युवा समन्वयक नीलम पटेल सहित छात्र छात्राओ ब ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

27 मई को नामांतरणों एवं 20 जून को लंबित बटवारा प्रकरणों का निराकरण करायें-कलेक्टर

दमोह। राजस्व अधिकारी की आयोजित बैठक में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले की समस्त तहसील के तहसीलदार, नजूल नवकरण शाखा एवं नायब तहसीलदार को निर्देश दिये है कि अपनी-अपनी तहसीलों में विस्तृत रूप से शिविरों का आयोजन कर 27 मई 2024 को लंबित नामांतरणों का निराकरण एवं 20 जून 2024 को लंबित बटवारा प्रकरणो का निराकरण करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही निराकरण की जानकारी निर्धारित प्रारूप में उसी तिथि को शाम 06 बजे भेजना सुनिश्चित करेंगे। जानकारी प्राप्त न होने की दशा में जानकारी निरंक मानी जायेगी। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रत्येक पीठासीन अधिकारी अविवादित नामांतरण / बटवारा की पटवारी हल्कावार सूची तैयार करवा लें और समस्त अविवादित नामांतरण बटवारा के प्रकरणो में इश्तिहार प्रकाशित कर संलग्न कर लिये जाये। सभी प्रकरणो में पक्षकारों के कथन दर्ज कर संलग्न कर लिये जाये। नामांतरण/बटवारा संबंधी प्रतिवेदन पटवारी/राजस्व निरीक्षक से प्राप्त किये जायें एवं फर्द बटवारा प्राप्त कर प्रकरण में संलग्न किये जाये। नामांतरण शिविर 27 मई 2024 को एवं बटवारा शिविर 20 जून 2024 को आयोजित कर प्रकरण निराकरण किये जाये। शिविर आयोजन की तैयारी की लगातार समीक्षा गूगल मीट से की जायेगी।

अधिकारियों को दी गई सीपीआर ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत जिला चिकित्सालय की टीम ने कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) के संबंध में प्रशिक्षण दिया। आरएमओ डॉ.विशाल शुक्ला ने अधिकारियों को बताया सीपीआर कैसे दिया जाता है, इसे कैसे किया जाता है, करके दिखाया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा, अपर कलेक्टर मीना मसराम सहित जिले के समस्त एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, सिविल सर्जन डॉ.राजेश नामदेव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे। डॉ.विशाल शुक्ला ने बताया पहले मरीज के लिये 108 एम्बूलेंस को सूचित करना होगा, उसके बाद मरीज की नब्ज चेक करनी होगी और गर्दन को सीधा रखना होगा। कार्डियो और फार्मोकोलॉजी इसमें कैसे काम करता है, जैसे ही आप प्रेशर दे रहे है तब हाथ की गाद्दी और हार्ट सरफेस इन दोनों के बीच में हार्ट आ रहा है। आप एक प्रेशर डाल रहे हैं फुग्गे में, फुग्गे में क्या होगा उसमें जो हवा होगी वह बाहर निकलेगी, यहीं प्रक्रिया है इससे हार्ट का ब्लड दिमाग तक पहुंचेगा और यदि दिमाग तक ब्लड पहुंचेगा तो व्यक्ति अपने-आप सांस भी ले सकता है, उसको दिमाग से सिग्नल आएगा तो हार्टबीट चालू हो सकती है, आपका काम यही है। यदि फिर भी लग रहा है तो साफ रुमाल मुंह पर रखिए उसके बाद जैसे 100 बार हार्ट को प्रेस करना है हर 30 बार के बाद एक बार व्यक्ति की गार्दन सीधी करके तेज सांस लेकर उसके मुह में भरना है।

सी.पी.आर. क्या है

डॉ. विशाल शुक्ला ने बताया एक बेसिक प्रोसीजर जिसे सी.पी.आर. बोलते है, कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन जिसके द्वारा किसी मूर्छित या अनकॉन्शियस व्यक्ति की स्वांस गति को या हार्ट को पुनः शुरू किया जा सकता है। किसी भी गंभीर स्थिति में जैसे- बारिश के समय में बिजली गिरी, किसी को करंट लग गया या कोई पानी में डूब गया है और भी बहुत सी ऐसी कंडीशन है जिसमें बिना किसी कारण के अचानक से व्यक्ति कार्डियक अरेस्ट में व्यक्ति आपके सामने चला जाता है और जानकारी के अभाव में व्यक्ति कुछ नहीं कर पता है। डॉ. शुक्ला ने कहा अधिकारियों ने जो सीखा है उसके यदि प्रैक्टिकल लाइफ में पूरे जीवन में किसी एक की भी सीपीआर करके जान बचा पाएंगे तो हमारी ट्रेनिंग सक्सेसफुल रहेगी।

आजादी के 77 सालों बाद भी आवागमन के लिए सड़क को मोहताज ग्रामीण

पन्ना। पन्ना जिले के पवई जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत पगरा के मजरा पुरवा निवासी ग्रामीण आजादी के 77 सालों बाद भी सड़क निर्माण के इंतजार में हैं। सड़क नहीं होने से गांव का विकास रुका हुआ है, बरसात में आवागमन लगभग ठप्प हो जाता है, बच्चे स्कूल नहीं जा पाते गांव के किसान अपने उत्पाद बाजार नहीं पहुंच पाते, किसी बीमार व्यक्ति के इलाज या गर्भवती महिला को डिलीवरी के लिए अस्पताल ले जाना भी मुश्किल होता है। लोगों को इमरजेंसी वाहन 108 एंबुलेंस, जननी एक्सप्रेस या डायल हंड्रेड जैसी सुविधाओं का लाभ भी नहीं मिल पाता, प्रतापी लोधी ने बताया कि कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंप कर सड़क निर्माण की मांग उठाई गई लेकिन किसी के भी द्वारा ध्यान नहीं दिया गया जिससे समस्या बरकरार है। लक्ष्मण प्रसाद लोधी ने बताया कि गांव के 2 रास्ते हैं मुख्य मार्ग में बड़े-बड़े गड्ढे हैं, गर्मियों और सर्दियों में तो लोग किसी तरह आवागमन कर लेते हैं।

जिले के रैपुरा तहसील अंतर्गत ग्राम बगरौड़ में पंचायत द्वारा कराये जा रहे बोरबेल से अचानक निकली गैस, मचा हड़कम्प

पन्ना। आखिर बोरबेल से जो गैस निकली है वह क्या है बना जांच का विषय साथ ही जिस तरह से बोरवेल किया गया उसे ढाकने को लेकर स्थाई प्रबंध क्या किये गये कहीं खतरे की घंटी न हो जाये तबाही का मंजर न बन जाये दास्तां जिले के रैपुरा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बगरौड़ में बोरवेल कराये जाने के दौरान निकली गैस का मामलाआखिर पानी की आपूर्ति को लेकर इन दिनों बोरवेल अक्सर कराये जाते है मामला जिले के रैपुरा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बगरौड़ में जहां पंचायत द्वारा बोर कराया जा रहा था इसी दौरान अचानक गैसे निकलने से हडकम्प जैसे हालात मच गये। ग्रामीणों द्वारा माचिक की तीली जलाकर गैस को परखने का कार्य किया गया जिससे आग भड़क गई फिर क्या था ग्रामीणों ने उस बोर को मिट्टी एवं डक्कन से बंद कर दिया। अब यह मामला कहीं न कहीं संवेदनशीलता को लेकर जुड़ चुका है। समय रहते सबसे पहले उस बोरवेल को स्थाई रूप से सुरक्षा के मापदण्ड का ख्याल रखते हुये बंद करने की दास्तां तय करनी होगी वहीं इस बोरवेल से जो ज्वलनशील गैस निकली वह क्या है जो अपने आप में जांच का विषय है। प्रशासन को समय रहते इसमें त्वरित नजर रखनी होगी वरना ग्रामीण किसी भी खतरे को अंजाम दे सकते है। देखना यह है कि प्रशासन कब इसकी जांच करके आगे क्या दिशा तय करेगा यह तो आगे आने वाला वक्त ही तय करेगा। पहले भी कुछ समय पूर्व गुनौर तहसील अंतग्रत ग्राम झुमटा में भी इसी तरह गैस निकलने की खबर चर्चा में रही अब क्या हालात है कुछ कह पाना कठिन।

फल कृत्रित रूप से पका है या प्राकृतिक रूप से ऐसे करें पहचान

फलों को कृत्रिम रूप से पकाने के लिए ईथीलीन गैस का उपयोग करने की दी गई है भारत शासन द्वारा अनुमति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग दमोह द्वारा फलों की शुद्धता की पहचान करने के आसान तरीके की जानकारी आम उपभोक्ताओं को दी गई है। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण नई दिल्ली ने ईथीलीन गैस को फलों के पकाने में इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 के तहत फलों को कृत्रिम रूप से पकाने में कार्बाइड गैस के उपयोग को प्रतिबंधित किया गया है। ईथीलीन गैस को फलों के पकाने में 100 पी.पी.एम. तक उपयोग करने की अनुमति खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनियम 2011 द्वारा दी गई है। ईथीलीन एक हार्मोन है जो फलों को प्राकृतिक रूप से पकने में मदद करता है एवं यह मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी नहीं होता है। इस गैस को ईथीलीन सिलेंडर, कंप्रेस्ड ईथीलीन गैस,इथेनॉल,ईथाफोन सेचेट आदि बाह्य स्त्रोतों के माध्यम से फलों को कृत्रिम रूप से पकाने में इस्तेमाल किया जा सकता है परंतु फलों पर सीधे संपर्क के द्वारा इनका उपयोग किया जाने पर प्रतिबंध है।

सभी उपभोक्ताओं को फलों को केवल जाने माने फल विक्रेता, स्टोर्स, डीलर्स आदि से क्रय करना चाहिए जो यह घोषणा करें कि उनके परिसर में फलों को पकाने में प्रतिबंधित कार्बाइड गैस का उपयोग नहीं किया जाता है एवं न ही ऐसे फलों का वे विक्रय करते हैं। उपभोक्ताओं को फलों को साफ पानी में धोने के बाद ही इस्तेमाल करना चाहिए। किसी भी फल जो ज्यादा चमकदार लगे,जिन पर ज्यादा काले धब्बे हों उनको खरीदना नहीं चाहिए क्योंकि ऐसे फल कार्बाइड से पकाये हुए हो सकते हैं। फलों का पकना एक शारीरिक, जैव रासायनिक, आण्विक क्रियाओं का संयोजन है जिससे रंग, शक्कर की मात्रा, अम्लता, बनावट एवं सुगंध में परिवर्तन होते हैं इस शारीरिक प्रक्रिया से फल खाने योग्य, स्वादिष्ट एवं पोषणयुक्त हो जाते हैं। मौसमी फल जैसे केला, आम, पपीता, अमरूद, टमाटर आदि की उपज एक बार ली जा सकती है एवं इनको परिवहन/स्टोरेज के दौरान और भी पकाया जा सकता है। गैर मौसमी फल जैसे नींबू, संतरा, अंगूर, स्ट्राबेरी आदि को फसल आने के बाद और पकाया नहीं जा सकता है।

आम उपभोक्ता कैसे पहचान करें कि फल कार्बाइड से पका हुआ कि नहीं

कार्बाइड से पके हुए फल जैसे केले,आम ज्यादा पीले रंग,चटकदार रंग के होते हैं। केले के डंठल हरा रहता है जबकि पूरा भाग पीला होता है। प्राकृतिक रूप से पका हुआ केला चित्तीदार होता है। पानी मे डुबोने पर कार्बाइड से पका फल पानी के ऊपर तैरता है जबकि प्राकृतिक रूप से पका फल तलहटी पर डूब जाता है। प्राकृतिक रूप से पका हुआ आम भरा हुआ एवं गोलाकार होते हैं जबकि कृत्रिम रूप से पका हुआ आम ज्यादा पीला रंग का एवं उसके ऊपर हरे रंग के धब्बे ज्यादा मात्रा में होते हैं। आम को काटने पर पूरा आम सभी जगह एक सा पीला होता है तो प्राकृतिक रूप से पका हुआ है। आम पर अगर नीला या सफेद निशान हैं तो ऐसे आम को न खरीदें।

तरबूज की पहचान कैसे करें

तरबूज पर अगर सफेद पाउडर लगा हुआ है तो ऐसे तरबूज न खरीदें। तरबूज को काटने पर अगर ज्यादा लाल रंग एवं मीठा है तो ऐसे तरबूज को न खरीदें। तरबूज को दो भागों में काटें। रुई के टुकड़े को कटे हुए भाग पर रगड़ने पर अगर रूई लाल रंग का हो जाए तो तरबूज में हानिकारक केमिकल इंजेक्ट किया गया है। तरबूज के मध्य भाग में जला हुआ निशान है तो ऐसे तरबूज में केमिकल मिलाया गया है। तरबूज को काटने पर अगर क्रेक पड़ जाते हैं या छेद दिखे तो ऐसे तरबूज में केमिकल इंजेक्ट किया गया है। तरबूज का डंठल अगर डार्क कलर एवं सुखा हुआ है तो वह प्राकृतिक रूप से पका हुआ है जबकि हरा डंठल है तो वह केमिकल से पका हुआ है। तरबूज पर अगर गहरे पीले रंग का धब्बा है तो वह प्राकृतिक रूप से पका हुआ है। तरबूज को 2 से 3 दिन के लिए रखें अगर उसमें से पानी या झाग निकल आया है तो वह केमिकल से पका हुआ है।

कार्बाइड से पके हुए फलों का मानव शरीर पर दुष्प्रभाव

कार्बाइड जिसे ₹मसालाः₹ आम बोल चाल में कहते हैं का उपयोग करने लगते हैं जोकि की कैंसरकारक होता है इसमें आर्सेनिक एवं फॉस्फोरस तत्व के अंश पाए जाते हैं। इन तत्वों से चक्कर आना, जी मिचलाना, जलन, कमजोरी, निगलने में असुविधा, उल्टी, त्वचा अल्सर आदि स्वास्थ्य संबंधी लक्षण मानव शरीर में उत्पन्न हो जाते हैं। फलों के सीधे संपर्क में इस कार्बाइड के आने से फलों में भी आर्सेनिक एवं फॉस्फोरस तत्व के अंश आ जाते हैं जो मानव में विभिन्न शारीरिक व्यावधियों को उत्पन्न कर सकते हैं। इस कारण से कार्बाइड गैस के उपयोग को प्रतिबंधित किया गया है।

खबर संक्षेप

रुक जाना नहीं योजना अंतर्गत परीक्षाएं 20 मई से

दमोह। जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. नेमा ने बताया रुक जाना नहीं योजना के अंतर्गत परीक्षाएं 20 मई 2024 से प्रारंभ हो रही है। जो विद्यार्थी परीक्षा के एक दिन पूर्व दमोह पहुंचकर रूकना चाहते हैं, उनके लिए रुकने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया छात्राओं हेतु शासकीय जे.पी.बी. कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुलिस कोतवाली के पास दमोह में रूकने की व्यवस्था की गई है। छात्रायें जानकारी हेतु प्राचार्य डी के मिश्रा के मो.नं. 8103262369 एवं अनीता गौतम वार्डन के मो.नं-9630627185 पर संपर्क कर सकते हैं। इसी प्रकार छात्रों को रुकने की व्यवस्था शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय दमोह के नवीन बालक छात्रावास में की गई है। छात्र प्राचार्य एस एल अहरवाल 9893918968, वार्डन शैलेंद्र दुबे 8839003439 से संपर्क स्थापित कर सकते है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया प्राचार्यो को निर्देशित किया गया है कि संबंधित विद्यार्थियों को ग्रुप के माध्यम से मैसेज भेजकर अवगत कराया जाये।

द्वारिका के राजमहला में भव्यता से हुआ था श्री कृष्ण रुक्मिणी विवाह : पं रवि शास्त्री

दमोह। स्थानीय तीन गुल्ली पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छटवें दिवस में कथा वाचक आचार्य पंडित रवि शास्त्री महाराज ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण श्रीहरि विष्णु का अवतार थे तो देवी रुक्मिणी महालक्ष्मी का अंशावतार थी रुक्मिणी विदर्भ देश के राजा भीष्मक की पुत्री थीं वह दिखने में बहुत ही सुंदर बुद्धिमान और स्वभाव की सरल कन्या थीं राजा भीष्मक के दरबार में जो कोई आता वह भगवान श्रीकृष्ण के साहस और बुद्धिमता की तारीफ करता रुक्मिणी बचपन से कई लोगों के मुख से कृष्ण की तारीफ सुनती आ रही थीं इस कारण भगवान के चरणों में उन्हे प्रेम हो गया था राजा भीष्मक ने अपने पुत्र रुक्मी के कहने पर रुक्मिणी का विवाह चेदिराज शिशुपाल से तय कर लिया था रुक्मी शिशुपाल का खास मित्र था इसलिए वह अपनी बहन का विवाह उससे कराना चाहता था दूसरी ओर रुक्मिणी भले ही श्रीकृष्ण से कभी नहीं मिली थीं लेकिन वह महालक्ष्मी का अंशावतार थी ओर भगवान श्रीकृष्ण की नित्य पत्नी थी इसलिए उन्हें यह रिश्ता पसंद नहीं आया रुक्मिणी और शिशुपाल के विवाह की तारीख तय हो गई रुक्मिणी के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गईं रुक्मिणी ने ठान लिया कि वह विवाह सिर्फ श्रीकृष्ण से करेंगी नहीं तो अपने प्राण त्याग कर देंगी उन्होंने अपनी एक सखी के माध्यम से श्रीकृष्ण को संदेश भिजवाया रुक्मिणी ने संदेश में कहलवाया कि वह उनकी नित्य पत्नी है लेकिन उसका विवाह शिशुपाल से तय हो गया है अगर उसकी शादी कृष्ण से नहीं होगी तो वह प्राण त्याग देंगी जैसे ही कृष्ण के पास संदेश पहुंचा वह चकित रह गए संदेश मिलते ही श्रीकृष्ण विदर्भ पहुंच गए जब शिशुपाल विवाह के लिए द्वार पर आया तभी कृष्ण ने रुक्मिणी का हरण कर लिया जब रुक्मिणी के भाई रुक्मी को पता चला तो वह अपने सैनिकों के साथ कृष्ण के पीछे गया फिर श्रीकृष्ण और रुक्मी के बीच भयंकर युद्ध हुआ जिसमें द्वारिकाधीश विजयी हुए इसके बाद श्रीकृष्ण रुक्मिणी को लेकर द्वारिका आ गए और दोनों का विधिवत विवाह सम्पन्न हुआ।

प्राचीन बरंडा गेट ढहा

रात्रि 10 बजे शहर के बीचों बीच बड़ा हादसा, कोई जनहानि नहीं, मलबा हटाने का काम जारी

दमोह। शनिवार रात 10 बजे शहर की प्राचीन धरोहर बरंडा गेट अचानक गिर गया। गनीमत रही कि सबसे व्यस्ततम क्षेत्र होने के बावजूद भी यहां कोई जन हानि व नुकसान नहीं हुई। बरंडा में तीन तरफ प्राचीन गेट बने है जिनमें से गांधी चौक की तरफ वाला प्राचीन बरंडा गेट अचानक रात में ढह गया। प्रथम दृष्टया बताया जा रहा है कि यहां समीप में पोकलेन मशीन चल रही थी जिसके कारण यह हादसा हुआ है। स्थल पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, कोतवाली पुलिस सहित नपा व प्रशासन के अधिकारी पहुंच चुके थे। इसके साथ ही जेसीबी से मलबा अलग कराया जा रहा था ताकि क्या नुकसान हुआ है इस अंदाजा लगाया जा सके। स्थानीय लोगो के अनुसार पोकलेन मशीन के चालक को चोटे आई है।

पाइप लाइन में पानी नहीं, खराब पड़े हेंडपंप, गहराया पेयजल संकट

खेतों के बोर पर निर्भर पूरा गांव, पानी आते ही लग जाता है मेला

बनवार। गर्मी का पारा हर रोज बढ़ता जा रहा है। पारे के साथ ही गांव में पेयजल का संकट विकराल होता जा रहा है जनपद जबेरा की समीपी ग्राम पंचायत मुड़ेरी के गांव बंधना में हैंड पंप खराब पड़े हैं या फिर उनमें पानी नहीं है जल निगम की पाइपलाइन गांव में पहुंच गई लेकिन चालू नहीं है जिसके चलते गांव पेयजल संकट इस कदर गहराया हुआहै। की ग्रामीणों को पीने के लिए जरूरी पानी खेतों के बोर से पाइप लाइन के जरिए गांव तक लाना पड़ रहा और पानी आते ही ग्रामीणों का मेला सा लग जाता है। पानी के लिए मारामारी जेसी स्तिथि निर्मित हो रही है। ग्राम के प्रदीप मेहरा महेंद्र झारिया दीपक मेहरा संदीप झारिया सुशील मेहरा आकाश अंकित ने बताया गांव के हैंड पंप में पानी नहीं है जल निगम के द्वारा पाइपलाइन तो गांव तक पहुंच गई है। लेकिन भीषण जल संकट के इस दौर पाइप लाइन से पानी चालू नहीं किया गया है और शो पीस बनकर रह गई है पेयजल की समस्या बढ़ गई है। ग्रामीणों को पेयजल के लिए इधर उधर भटकना पड़ता है और जल स्त्रोतों का जल भूतल में पहुंच गया ऐसी हालातो में खेतों में बने सिंचाई के बोर से पाइपों के द्वारा पानी गांव पहुंच रहा और पूरे गांव को यह पानी नाकाफी साबित हो रहा है। गांव के पेयजल संकट को लेकर ग्राम पंचायत या फिर अधिकारियों के द्वारा स्थाई पेयजल की व्यवस्था नहीं की जा रही है। जिससे ग्रामीण परेशान हैं और पीने के पानी जद्दोजहद में सुबह से शाम तक लगे रहते है ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है पेयजल समस्या के समाधान के लिए तत्काल कोई व्यवस्था की जाए ताकि ग्रामीणों को पेयजल संकट से निजात मिल सके। ग्राम पंचायत मुड़ेरी सचिन अंबिका साहू का कहना है जल निगम की नल जल योजना चालू नहीं हुई है और ग्राम के हैंडपंप अन्य पेयजल स्त्रोतों का वाटर लेवल कम हो गया है। इस कारण पेयजल की समस्या बनी हुई है नल जल योजना के अधिकारियों से पेयजल सप्लाई चालू करने के लिए अनेकों बार बोल चुके हैं लेकिन टंकी से गांव तक पेयजल आपूर्ति चालू नहीं की जा रही है।

निर्यापक मुनि श्री सुधा सागर ने बताई अभिषेक क्रिया विधि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

नगर के श्री पारसनाथ दिगंबर जैन नन्हें मन्दिर जी मे आचार्य भगवान श्री विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य तीन निर्यापक मुनि संघ विराजमान है जिनके सानिध्य में सुबह से शाम तक विविध धार्मिक आयोजन चल रहे हैं। जिनमे नगर की सक्ल जैन समाज के अलावा अन्य क्षेत्रों से श्रद्धालु जन शामिल होकर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं। पूज्य निर्यापक मुनि श्री सुधा सागर जी, श्री प्रसाद सागर जी एवं श्री वीर सागर जी महाराज ससंघ सानिध्य में जैन धर्मशाला में शनिवार को सुबह 5 बजे से श्रावक पूजन अभिषेक सामूहिक शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें नगर के सभी मंदिरों से पूजन करने वाले श्रावक जन शामिल हुए। इस अवसर पर मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज ने अभिषेक तथा गंधोदक की महिमा बताई। मुनिश्री ने पूजन की क्रिया में अभिषेक का महत्व बताते हुए कहा कि प्रत्येक श्रावक को नित्य अभिषेक जरूर करना चाहिए तथा महिलाओं को किसी और के सामने गंधोदक के लिए हाथ फैलाने की बजाय अपने पति या बेटे से ही गंधोदक लेना चाहिए। अभिषेक करने के लिए अपने घर से ही धोती पहनकर या लेकर मंदिर जी आना चाहिए। मंदिर में एक या दो बार में ही सभी वेदियों पर एक निश्चित समय में अभिषेक संपन्न करना चाहिए। अभिषेक की पूजन के समय के दौरान घर तथा बाहर अन्य किसी प्रकार की क्रिया नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे पाप कर्मों का बंध होता है। मुनि श्री सुधा सागर जी की प्रेरणा से आज श्री पारसनाथ दिगंबर जैन नन्हे मंदिर एवं बड़ा मंदिर के आसामियों के अलावा अन्य मंदिरों के आसानियों ने भी पर्ची लिखकर अपनी अभिषेक राशि के भाव अभिव्यक्त किए। नन्हे मंदिर से राकेश नायक डॉक्टर गौरव नायक एवं धर्मचंद पिपरिया नितिन मोदी परिवार ने आजीवन महायज्ञ नायक बनने का सौभाग्य प्राप्त किया। रविवार को सुबह 5 बजे से मुनि संघ के सानिध्य में पुनः श्रावक पूजन अभिषेक शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें अभिषेक उपरांत पूज्य सुधा सागर जी महाराज के हाथों से सभी अभिषेक करने वालों को गंदोधक मस्तक पर लगवाने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

सोमवार को पगरा डैम से पानी छोड़ा जाना प्रस्तावित

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत बटियागढ़ नायब तहसीलदार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जुड़ी नदी पर पहुचे। जुड़ी नदी में सोमवार को पगरा डैम से पानी छोड़ा जाना प्रस्तावित है।ज्ञात हो विगत दिनों कलेक्टर श्री कोचर बटियागढ़ पहुंचे थे, स्थानीय लोगों से संवाद के दौरान जल संकट को लेकर चर्चा की गई थी। कलेक्टर श्री कोचर के द्वारा शीघ्रता से इस कार्य को लेकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी को आदेशित कर नदी की सफाई एवं गहरीकरण कर जुड़ी नदी में पानी छोड़ने के कार्य करने को कहा गया था। मुख्य कार्यपालन अधिकारी अश्वनि कुमार सिंह ने बताया सोमवार को जुडी नदी में पगरा डेम से पानी छोड़ने की तैयारी की जा रही है।

गौकसी की घटना के आरोपी गिरफ्तार ,दो नग देशी सूअर मार बम एवं अवैध हथियार जप्त

दमोह। कोतवाली पुलिस ने गौकसी की घटना के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा गौकसी की घटनाओं के विरुद्ध लगातार कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है उक्त निर्देशों के पालन में दिनांक 18.05.2024 को विश्वसनीय मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि चैनपुरा में कन्या छात्रावास के पास सोनू कुरैशी और उसके दोस्तों के द्वारा सोनू कुरैशी के खाली पड़े मकान में गौवंश काटा जा रहा है। उक्त सूचना पर श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय दमोह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय दमोह के निर्देशन एवं श्रीमान नगर पुलिस अधीक्षक महोदय दमोह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली एवं स्टाफ द्वारा सूचना की तस्दीक करते हुए सोनू कुरैशी पिता साकिर कुरैशी निवासी बिलवारी मुहल्ला दमोह के चैनपुरा स्थित खाली मकान में दबिश दी गई। तो घर के पीछे छत से कूदकर तीन लड़के भाग गये तथा सोनू कुरैशी एवं जाफर कुरैशी नाम के लड़के उक्त घर में मिले। उक्त मकान में गौवंश बछड़ा का मास, खाल, सिर, मुंह, पैर, हड्डियां खून सहित कटा हुआ मिला है। आरोपी सोनू कुरैशी, जाफर कुरैशी एवं अन्य तीन साथीगण अमन खान, शमशेर कुरैशी, इरशाद खान के साथ मिलकर चैनपुरा मे ही घूम रहे। गाय बछड़े को पकड़कर सोनू कुरैशी के कन्या छात्रावास चैनपुरा स्थित खाली मकान में ले जाकर पांचो लोगो के द्वारा उस बछड़े को मांस के लिये काटना बताया। आरोपी सोनू कुरैशी एवं जाफर कुरैशी से दो-दो बोरी गाय का मांस, हथियार एवं घटना स्थल से दो नग देशी सूअर मार बम जप्त किये गये। आरोपीगण के विरुद्ध अपराध क्र 424/2024 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 9 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 4/5 म.प्र. गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 25 बी आर्म्स एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में सोनू पिता साबिर कुरैशी उम्र 19 साल निवासी बिलवारी मुहल्ला दमोह, जाफर खान पिता कलीम ठेकेदार उम्र 18 साल निवाली बिलवारी मुहल्ला दमोह शामिल है। वहीं अन्य तीन आरोपी फरार है। सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक आनंद सिंह ठाकुर, उनि प्रदीप चौधरी, प्रआर अनेन्द्र तिवारी, प्र.आर. अनिल गौतम, डेलन, धर्मेन्द्र, देवीसींग, रवि गौतम, आर. दीपक नामदेव, गोविंद, गनपत, नितिन शामिल है।

गुरु के प्रति लघुता रखें: मुनि श्री समता सागर जी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुंडलपुर

सुप्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर में युग श्रेष्ठ संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य पूज्य आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री समता सागर जी महाराज ने प्रवचन देते हुए कहा आचार्यों ने तीर्थंकर भगवंतों की देशना को जो प्रतिपादित किया है। जितना भगवान ने जाना उतना भगवान प्रतिपादित नहीं कर पाए जितना भगवान ने प्रतिपादन किया है, कथन किया है उतना गणधर उसे ग्रहण नहीं कर पाए। गणधरों ने जितना प्रस्तुत किया है उतना आचार्य परंपरा को प्राप्त नहीं हुआ है ।आचार्य परंपरा को जितना प्राप्त हुआ है उतना प्रवाह रूप में आगे बढ़ते बढ़ते लिपिबद्ध नहीं हो पाया। जितना लिपिबद्ध हुआ है जो भी हमारे को प्राप्त हुआ है देखा जाए तो कम नहीं है। वैसे देखा जाए तो समुद्र में से जल की एक बूंद है। वह भी जल की एक बूंद भी हमारे क्षयोपशम और क्षमता के अनुसार है। हमारे लिए समुद्र की बूंद भी समुद्र के बराबर है ।आचार्य महाराज ने इसलिए लिखा श्रुत में अवगाहन करें कितना भी काल बीत जाए उसका पार नहीं लेकिन सार क्या है श्रुत में अवगाहन करना ही सार नहीं है श्रुत अवगाहन करते-करते स्वयं में संगति हो जाए यह सार है। पानी के अंदर डुबकी लगाते रहे तैरते रहे स्नान करते रहे अच्छी बात है वह भी माध्यम है लेकिन अगर वह स्नान करने वाला डुबकी लगाने वाला प्यासा रहे तो अवगाहन उसका सार्थक नहीं है अवगाहन ज्यादा करें या ना करें एक बूंद भी उसे प्राप्त हो जाए वह अपनी तृषा को बुझा ले इसलिए आचार्य महाराज कहते हैं पंचम काल में रहने वाले हम और आप तो दूरमेती हैं दुर्बुद्धि हैं ।अब क्या करें समय थोड़ा सा है श्रुत का कोई पार नहीं हम दुर्बुद्धि हैं ऐसे समय में करे क्या जिससे जन्म जरा और मरण का नाश हो जाए। इतनी व्याधियां रोग लगे हुए हैं इनका विनाश हो तो अजर अमर पद प्राप्त हो। गुरुवर आचार्य श्री की चरण सन्निधि में नेमावर पहुंचे थे उस समय आचार्य श्री ने अपने संबोधन में एक हाईकू बोला था वह अभी भी याद है जरा ना चाहूं अजर अमर बनू नजर चाहूं मैंने अपने संबोधन में प्रवचन में यह बात रखी कि गुरुवर से कुछ मांगने की जरूरत नहीं पड़ती गुरुवर से कुछ आग्रह जरूरत नहीं पड़ती इतना ही हो गुरुवर के चरणों में नजर बनी रहे और गुरुवर की नजर हमारे ऊपर बनी रहे अपनी नजर गुरुवर के चरणों में रहे। विनम्रता का प्रतीक है और जब हम विनम्र होंगे तो ऊपर वाले की नजर बिन मांगे ही पड़ेगी। जेष्ठश्रेष्ठ निर्यापक श्रमण नियम सागर जी का कैशलोंच हुआ ।ईर्या भक्ति के बाद वैया वृत्ति का भाव हुआ पहुंच गया। गुरुवर की नजर पड़े यह शिष्य का सौभाग्य है गुरुवर की नजर में हम बनेरहे यह सातिशय पुण्य का योग है मांगने की जरूरत नहीं पड़े बिन मांगे मिले यह हमारा सौभाग्य होता है। गुरुवर आचार्य जी ने अपने गुरुवर ज्ञान सागर जी से कुछ नहीं मांगा पर उनको सब कुछ मिल गया ।गुरु नाम गुरु आचार्य ज्ञान सागर महाराज जो उन्हें देना चाहते थे आप मिल गए उससे ज्यादा पाने की जरूरत नहीं यह बहुत बड़ा सौभाग्य है। नेमावर के प्रवचन संग्रह में आचार्य गुरुवर ने यह बात भी कही थी हमारे गुरु ज्ञान सागर जी भले बहुत दूर हैं बाहर से दूर है लेकिन अंदर से दूर नहीं है अंदर से तो हमारे अंदर है बहुत निकट हैं फिर गुरुवर ने यह भी कहा जब एक बार बैठ गए हैं तो निकल कर जा भी नहीं सकते उन्होंने पूरे विश्वास से यह भी कहा था आकर बैठे नहीं मैंने ही उन्हें बिठाला है मुझसे पूछे बिना वह जा भी नहीं सकते हैं। गुरुवर की भक्ति और निष्ठा देखकर के हम सबको लगता है हमारे गुरुवर इतने महान होकर भी अपने गुरु के प्रति कितनी लघुता रखते थे ।तो हमारे जीवन में भी गुरु के प्रति यही लघुता होनी चाहिए हायकू लिखा है गुरु ने गुरु समय दिया लघु बने। लघु बने बिना कोई राघव रघुराई बन ही नहीं सकता।